आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 23 | जयपुर, गुरुवार 06 अगस्त, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

ड्रीम अचीवर्स व.... पेज 2

राजस्थान में शिक्षा... पेज 3

घोटाले में महेश-जोशी सहित 7आरोपियों की जमानत पर सुनवाई पूरी

पूर्व मंत्री ने कहा- शिकायत पर कंपनियों को किया ब्लैक लिस्ट, सरकार बोली- कंपनियां तय करती अधिकारी कौन लगेगा

जयपुर। जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले में तीन महीने से जेल में बंद पूर्व मंत्री महेश जोशी सहित 7 आरोपियों की जमानत याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। जस्टिस चंद्रप्रकाश श्रीमाली की अदालत ने सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। सुनवाई के दौरान पूर्व मंत्री महेश जोशी, तत्कालीन एसीएस सुबोध अग्रवाल सहित अन्य आरोपियों की ओर से कहा गया कि शिकायत मिलने के बाद और एफआईआर दर्ज होने से पहले ही विभाग ने कंपनियों का भुगतान रोकते हुए उन्हें ब्लैक लिस्ट कर दिया था। वहीं इसके विरोध में सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी ने बहस करते हुए कहा- दोनों कंपनियों के प्रोपराइटर पदमचंद जैन और महेश मित्तल पीएचईडी विभाग में अधिकारी तक खुद अपनी मर्जी से लगाते थे। एसीबी में रिकॉर्ड हुए उनके फोन कॉल से पता चलता है कि दोनों को 20 जून 2023 को ही पता था कि मामले की जांच करने के लिए हाईपावर कमेटी किसकी अध्यक्षता में गठित हो रही है। वहीं 4 दिन बाद मंत्री उसी व्यक्ति की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर देते हैं। इससे साफ है कि मामले में कंपनियों को करोड़ों का फायदा पहुंचाने के लिए मंत्री और एसीएस स्तर पर गड़बड़ियां हुई हैं।

महेश जोशी के बेटे की फर्म में राशि ट्रांसफर हुई

सरकार की ओर से कहा गया कि महेश जोशी के करीब संजय बड़ाया के रिश्तेदारों के खातों से करीब 50 लाख रुपए जोशी के बेटे रोहित जोशी की फर्म में ट्रांसफर हुए। पूरे मामले की जांच के लिए हाईपावर कमेटी गठित करने के बाद भी कंपनियों को करीब 14 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया। वहीं जब इरकॉन की ओर से आधिकारिक जानकारी आ गई थी कि कंपनियों ने उसके नाम से फर्जी सर्टिफिकेट बनाया है तो फिर किस जांच के लिए हाईपावर कमेटी गठित की गई। वहीं एसीबी की रेड के बाद आनन-फानन में हाईपावर कमेटी ने कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया। जबकि इससे पहले हाईपावर कमेटी ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

राज्यपाल की मंजूरी से पहले जांच शुरू कर दी

महेश जोशी की ओर से कहा गया कि मुझे गिरफ्तार करने की जरूरत नहीं थी। क्योंकि ईडी की गिरफ्तारी के बाद सात महीने तक हिरासत में रहने के दौरान एसीबी ने न मुझसे कोई अनुसंधान किया था और न ही गिरफ्तार किया था। एसीबी ने कानूनी रूप से अनिवार्य राज्यपाल की मंजूरी मिलने से पहले ही प्रारंभिक अनुसंधान शुरू कर दिया। एसीबी के पास किसी से भी डिमांड करने का कोई दस्तावेजी सबूत नहीं है। फर्जी प्रमाण पत्र का उपयोग महेश जोशी के जलदाय मंत्री और सुबोध अग्रवाल के एसीएस बनने के पहले से ही हो रहा था। विभाग ने जल जीवन मिशन के कुल 140 टेंडर किए थे। इनमें से मंत्री महेश जोशी और एसीएस सुबोध अग्रवाल के कार्यकाल में मात्र चार टेंडर हुए थे।

देश में ऑर्गन डोनेशन में भीलवाडा अव्वल

24 हजार से ज्यादा लोगों ने एक महीने में ली शपथ, आज जयपुर में सम्मान

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाडा ने डिजिटल ऑर्गन डोनेशन अभियान में देश में पहला स्थान हासिल किया। गुजरात का अहमदाबाद दूसरे नंबर पर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर चलाए गए डिजिटल ऑर्गन डोनेशन अभियान को भीलवाडा कलेक्टर जसमीत संधू ने जनआंदोलन बना दिया। 1 जुलाई से 31 जुलाई तक चले अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग ने शहर से लेकर गांवों तक लगातार जनजागरण किया। टीम ने लोगों से सीधे संवाद कर अंगदान और देहदान का महत्व समझाया। नतीजा, जिले के करीब 24 हजार 400 लोगों ने ऑनलाइन संकल्प पत्र भरकर अंगदान और देहदान के लिए अपनी सहमति दी। जिले की उपलबधि पर 5 अगस्त(बुधवार) को जयपुर में होने वाले समारोह में कलेक्टर जसमीत संधू और सीएमएचओ डॉ. संजीव शर्मा को सम्मानित किया जाएगा।

पीएम की पहल के बाद घर-घर पहुंची टीम

सीएमएचओ डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि यह सम्मान केवल प्रशासन या स्वास्थ्य विभाग का नहीं, बल्कि उन हजारों लोगों की संवेदनशील सोच का भी सम्मान है, जिन्होंने मृत्यु के बाद भी किसी को जीवन देने का संकल्प लिया। पीएम की पहल पर जिले में एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं, बीसीएमओ और मेडिकल टीम ने घर-घर पहुंचकर लोगों को अंगदान(ऑर्गन डोनेशन) के लिए प्रेरित किया और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया।

समस्याओं की पोटली लेकर शिक्षामंत्री से मिलने गए शिक्षक

बातचीत विफल, जयपुर में ग्रेड थर्ड टीचर्स का प्रदर्शन; पुलिस ने धरनास्थल से जनरेटर हटाया

जयपुर। तबादला नीति लागू करने की मांग को लेकर जयपुर के शहीद स्मारक पर तृतीय श्रेणी शिक्षकों (ग्रेड थर्ड टीचर्स) ने बुधवार को प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने जल्द तबादले शुरू करने, डेपुटेशन नीति में पारदर्शिता लाने और सालों से लंबित मांगों का समाधान करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और बड़ा किया जाएगा। इसी बीच, पुलिस ने धरनास्थल से जनरेटर हटा दिया। इसी जनरेटर से प्रदर्शन के दौरान साउंड सिस्टम चलाया जा रहा था। शिक्षकों के बढ़ते विरोध के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने बातचीत का न्योता दिया। इसके बाद शिक्षकों का 5 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री से मिलने गया। इस दौरान शिक्षक संघ के संरक्षक सूरजभान सिंह शिक्षकों की समस्याओं की पोटली लेकर निकले। हालांकि शिक्षा मंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल की बातचीत विफल हो गई है। शिक्षकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे।

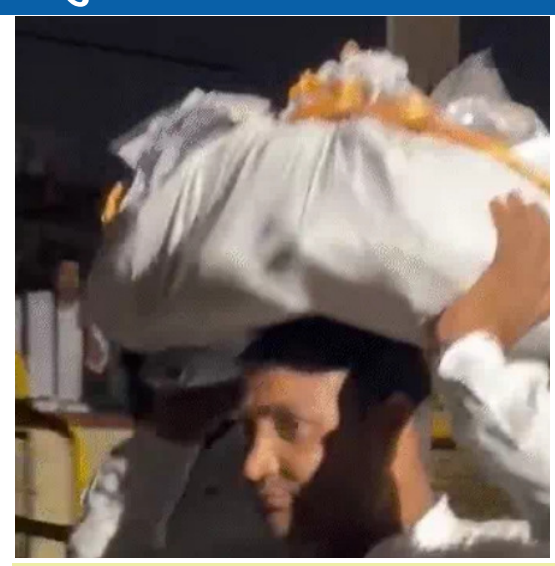

शिक्षकों की समस्याओं की पोटली लेकर शिक्षा मंत्री से मिलने जा रहा प्रतिनिधिमंडल

शिक्षकों के बढ़ते विरोध के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने उन्हें बातचीत का न्योता दिया। इसके बाद शिक्षकों का 5 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री से मिलने उनके घर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान शिक्षक संघ के संरक्षक सूरजभान सिंह शिक्षकों की समस्याओं की पोटली लेकर निकले। उन्होंने कहा- हमारी सबसे पहली मांग शिक्षकों के ट्रांसफर की है। अगर सरकार से इस मांग पर सहमति बनती है, तभी आगे बातचीत होगी।

ग्रेड थर्ड शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक बोले- सरकार अपने चुनावी वादे से मुकर रही है

ग्रेड थर्ड शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक सुनील महला ने कहा- राजस्थान सरकार अपने चुनावी वादे से मुकर रही है। प्रदेश में 100 दिन में थर्ड ग्रेड शिक्षकों का ट्रांसफर करने का वादा कर सरकार सत्ता में आई थी, लेकिन 2 साल से ज्यादा का वक्त बीत गया है और अब तक सरकार शिक्षकों की सुध नहीं ले रही है। उन्होंने कहा- हम हिम्मत नहीं हारेंगे। पहले तो हम सरकार से सिर्फ ट्रांसफर की मांग कर रहे थे, लेकिन अब हम शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का इस्तीफा चाहते हैं। जब तक सरकार हमारी मांग पूरी नहीं करेगी, तब तक हमारा यह धरना जारी रहेगा।

जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं, वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे

शिक्षा मंत्री के साथ शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल की बातचीत विफल हो गई है। दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण फिलहाल शिक्षकों का धरना शहीद स्मारक पर जारी रहेगा। शिक्षकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे।

शिक्षकों की तबादलों पर लगी रोक हटाने की मांग

जयपुर के शहीद स्मारक पर ग्रेड थर्ड शिक्षकों का धरना लगातार जारी है। शिक्षक तबादलों पर लगी रोक को हटाने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही, प्रदर्शनकारी शिक्षक अब शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर भी अड़ गए हैं।

पति-पत्नी की पोस्टिंग अलग-अलग जगह, दादा-दादी के पास रहता है बच्चा

झालावाड़ से प्रदर्शन में शामिल शिक्षक राजेंद्र कुमार नागर ने कहा- मेरी पत्नी भी ग्रेड थर्ड टीचर हैं। हम दोनों की अलग-अलग जगहों पर पोस्टिंग है। इस कारण हमें अपने मासूम बच्चे को दादा-दादी के पास छोड़कर जाना पड़ता है।

गहलोत ने शुभम रेवाड़ को जबरदस्ती पानी पिलाया

पूर्व सीएम बोले- छात्रसंघ चुनाव की मांग बहाल करे सरकार; डोटासरा ने जूस पिलाकर आमरण अनशन तुडवाया

जयपुर। राजस्थान में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और यूनिवर्सिटी में राजस्थानी भाषा खोलने की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे छात्र नेता शुभम रेवाड़ को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जबरदस्ती पानी पिलाया। शुभम रेवाड़ 14 दिन से आमरण अनशन कर रहे हैं। छात्र नेता शुभम एसएमएस अस्पताल में भर्ती हैं। शुभम से मिलने बुधवार को गहलोत मिलने पहुंचे। गहलोत ने अनशन कर रहे शुभम रेवाड़ की बिगड़ती तबीयत पर चिंता जताई। इस दौरान गहलोत ने छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग का समर्थन करते हुए राज्य सरकार से जल्द निर्णय लेने की अपील की। गहलोत ने कहा- छात्रसंघ चुनाव बहाल करना छात्रों की पूरी तरह जायज मांग है। सरकार को इसे अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा- छात्र राजनीति लोकतंत्र की पहली पाठशाला होती है और देश के अनेक बड़े नेता छात्रसंघ चुनावों से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचे हैं। वहीं कलेक्टर संदेश नायक शाम को शुभम रेवाड़ से मिलने एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचे। कलेक्टर ने बताया- प्रशासन ने विश्वविद्यालय में राजस्थानी भाषा विभाग खोलने की मांग को स्वीकार कर लिया है।

कई केंद्रीय मंत्री से लेकर बडे नेता छात्र राजनीति से आगे बढ़े

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- केंद्रीय मंत्री रहे अरुण जेटली से लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, कांग्रेस के रघु शर्मा, महेश जोशी और मैं खुद छात्र राजनीति से आगे बढ़े हैं। छात्रसंघ चुनाव युवाओं को नेतृत्व विकसित करने का अवसर देते हैं, इसलिए इन्हें बहाल किया जाना चाहिए।

जेन जी आंदोलन के बाद भी सरकार नहीं चेती

अशोक गहलोत ने कहा- देश में हाल ही जेन जी आंदोलन के बाद जो परिस्थितियां बनीं। इसके बावजूद राजस्थान सरकार छात्रों की मांग को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने कहा- छात्र लगातार अपनी बात रख रहे हैं, लेकिन सरकार का रवैया संवेदनशील नहीं दिख रहा। गहलोत ने कहा- 14 दिनों से एक छात्र भूख हड़ताल पर बैठा है और उसकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। उन्होंने बताया- मुलाकात के दौरान मैंने शुभम रेवाड़ को जबरदस्ती पानी पिलाया, क्योंकि उनकी स्वास्थ्य स्थिति चिंताजनक होती जा रही है।

मुख्यमंत्री को खुद हस्तक्षेप करना चाहिए

अशोक गहलोत ने कहा- इस मामले में मुख्यमंत्री को खुद हस्तक्षेप कर समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने बताया- इस संबंध में मैंने जयपुर जिला कलेक्टर से भी बातचीत की है। छात्रों की मांग सरकार तक पहुंचाई है। उन्होंने कहा- मैंने शुभम रेवाड़ से भी आग्रह किया है कि अगर सरकार बुधवार शाम तक निर्णय नहीं लेती है, तब भी वह अनशन समाप्त करने पर विचार करें। लगातार अनशन से उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है।

गुरुचरण छाबड़ा की हो गई थी मौत

गहलोत ने अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा- सामाजिक कार्यकर्ता गुरुचरण छाबड़ा ने मेरे शासनकाल में तीन बार अनशन किया था। हर बार मैं खुद उनसे मिलने पहुंचा था। गहलोत ने आरोप लगाया- बाद में भाजपा सरकार के दौरान अनशन के समय गुरुचरण छाबड़ा की मृत्यु हो गई, जो सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। गहलोत ने कहा- जनहित के मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता के साथ संवाद करना चाहिए। किसी भी स्थिति को इतना गंभीर नहीं बनने देना चाहिए कि किसी की जान पर बन आए।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी सरकार को घेरा

अशोक गहलोत ने प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था को लेकर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा- महिलाओं के लिए शुरू की गई एंबुलेंस सेवा एक साल से बंद पड़ी है, जिससे महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार बिगड़ रही है, लेकिन शासन और प्रशासन इस ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे।

दिव्यांग बच्चों का प्रदर्शन, बोले- स्कूल में पानी तक नहीं

गहलोत बोले- ऐसे टीचर्स की नियुक्ति, जिन्हें खुद साइन लैंग्वेज नहीं आती; प्रिंसिपल को हटाया, टीचर एपीओ

जयपुर। जयपुर के राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक स्कूल में आज हंगामा हो गया। दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने स्कूल में शौचालयों की बदहाल स्थिति, पानी का संकट और जर्जर भवन की समस्या से परेशान होकर प्रदर्शन किया। मामले की सूचना पर शिक्षा विभाग की टीम, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी स्कूल पहुंचे। गहलोत ने कहा कि बच्चों की समस्या को लेकर मैं खुद सीएम भजनलाल शर्मा को पत्र लिखूंगा। उन्हें बताऊंगा कि स्कूल में ऐसे टीचर्स की नियुक्ति की गई है, जिन्हें खुद साइन लैंग्वेज नहीं आती है। वहीं हालात भी बद से बदतर है। निरीक्षण में कई खामियां सामने आने के बाद विभाग ने तत्काल प्रिंसिपल को हटा दिया गया। वहीं एक टीचर और एक फोर्थ ग्रेड कर्मचारी को भी APO कर दिया गया।

क्लासरूम की दीवारों पर दरार

जवाहरलाल नेहरू मार्ग में स्थित राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार स्कूल के छात्र प्रदर्शन करते गेट पर बैठ गए। छात्रों का कहना है कि स्कूल में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। शौचालय इस्तेमाल करने लायक नहीं हैं, जिससे हर दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई क्लासरूम की दीवारों और कमरों में दरारें पड़ चुकी हैं।

जिले में 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' अभियान की हुई शुरूआत

डेंगू-मलेरिया नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य टीमें पहुंचेंगी घर-घर

अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित रोगों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मंगलवार से 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' विशेष अभियान की शुरुआत हुई। अभियान के तहत चिकित्सा विभाग, स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज विभाग के समन्वय से घर-घर सर्वे, स्रोत नष्ट करने, जनजागरूकता एवं साफ-सफाई संबंधी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान आगामी 27 अगस्त तक संचालित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि अभियान के दौरान आशा, एएनएम, सीएचओ एवं चिकित्सा विभाग की टीमें घर-घर जाकर बुखार एवं मच्छरजनित रोगों के संभावित मरीजों की पहचान करेंगी। आवश्यकता अनुसार रक्त स्लाइड एवं सैंपल लिए जाएंगे तथा समय पर जांच एवं उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। डिप्टी सीएमएचओ (हैल्थ) जयपुर प्रथम डॉ. इंद्रा गुप्ता और डिप्टी सीएमएचओ (हैल्थ) जयपुर द्वितीय डॉ. सुरेन्द्र गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य दल प्रत्येक घर में कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, टायर, कबाड़ एवं अन्य स्थानों पर जमा पानी की जांच करेंगे। साथ ही सोर्स रिडक्शन, एंटी लार्वल गतिविधियां, फॉगिंग तथा मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करने की कार्रवाई भी की जाएगी। आमजन से अपील है कि अपने घर एवं आसपास कहीं भी पानी जमा नहीं होने दें। प्रत्येक सप्ताह कूलर एवं पानी के पात्रों को खाली कर साफ करें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें तथा बुखार आने पर स्वयं दवा लेने के बजाय निकटतम सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच एवं उपचार कराएं।

पचलंगी में गांधी जयंती पर आयोजित होने वाले मेले को लेकर बैठक का आयोजन

बैठक में कई गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोगों ने लिया भाग, अगली बैठक 12 जुलाई को होगी आयोजित

महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज का किया जाएगा सम्मान.....मदनलाल भावरिया

अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव /उदयपुरवाटी। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव में बुधवार को द्वारकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्री जानकी वल्लभ मंदिर में आगामी 2 अक्टूबर को मातेश्वरी कुश्ती दंगल की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन किया गया द्य मेले की तैयारी को लेकर की गई बैठक की अध्यक्षता मानसिंह डीलर की अध्यक्षता में आयोजित की गई द्य पचलंगी में आयोजित होने वाले कुश्ती दंगल को लेकर आयोजित की गई बैठक में कई मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया द्य मेला कमेटी अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पचलंगी में मातेश्वरी कुश्ती दंगल 2 अक्टूबर को आयोजित होता है जिसमें दूरदराज से महिला एवं पुरुष पहलवान भाग लेते है द्य मेला कमेटी अध्यक्ष भंवरिया के अनुसार शीघ्र ही मेले की तैयारियों को लेकर आगामी बैठक का आयोजन 12 जुलाई को किया जाएगा जिसमें झड़ाया बालाजी मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास जी महाराज का सम्मान भी किया जाएगा द्य मेले की तैयारियों को लेकर आगामी बैठक में और भी कई निर्णय लिए जाने की संभावना है द्य इस दौरान पुजारी ओमप्रकाश शर्मा, महेंद्र तेतरवाल, युवा राहुल बड़सरा, मानसिंह बड़सरा, सुभाष नेचू, सत्यनारायण शर्मा, सानू शेखावत, सत्यनारायण चोटिया ललित शर्मा हरिप्रसाद गोयल सहित कई गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोगों ने भाग लिया।

ड्रीम अचीवर्स एवं JWSA द्वारा बिज़नेस मीट एवं फ्रेंडशिप डे का उत्साहपूर्ण आयोजन

ड्रीम अचीवर्स क्लब एवं JWSA ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में डेज़ होटल, टोंक रोड, जयपुर में बिज़नेस मीट एवं फ्रेंडशिप डे सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों का फ्रेंडशिप बैंड बांधकर एवं उपहार भेंट कर आत्मीय स्वागत के साथ हुई। परिचय सत्र में सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा अपने विचार, अनुभव और व्यावसायिक यात्रा साझा की, जिससे आपसी नेटवर्किंग और सहयोग को नई दिशा मिली।

इस अवसर पर नेहा झुनझुनवाला एवं डॉ. तुषार चरण ने

कार्यरत महिलाएं अपने भावनात्मक जीवन एवं तनाव को किस प्रकार संतुलित रखें विषय पर प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक सत्र लिया। साथ ही जीवन में मेडिटेशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और स्वस्थ राष्ट्र की मजबूत आधारशिला होती है।

संस्था की संस्थापक प्रीति गोयल ने बिज़नेस नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करते हुए हाइएस्ट बिज़नेस गिवर अवॉर्ड से श्वेता डालमिया तथा बिज़नेस टेकर अवॉर्ड से सपना जांगिड़ को सम्मानित किया।

कार्यक्रम में अगस्त माह में जन्मे सदस्यों का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया तथा फ्रेंडशिप डे का उत्सव भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पूरे आयोजन में उत्साह, अपनापन और सहयोग की भावना देखने को मिली। इस सफल आयोजन को संपन्न कराने में मीनाक्षी जैन, दीपिका गुम्बर, परवीन हीरा, श्वेता डालमिया एवं नीरू लड्ढा का विशेष एवं सराहनीय सहयोग रहा।

धूमधाम व हर्षोल्लास से मनेगा पूर्व चैयरमैन व भाजपा नेता एड. महेन्द्र कुमार सैनी का जन्मदिन

विभिन्न सेवा कार्यो, देव दर्शन व महापुरूष वंदन समेत अन्य गतिविधियों का होगा आयोजन

कोटपूतली। क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व चेयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी का जन्मदिन गुरूवार को भाजपा व सामाजिक कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों व आमजन द्वारा बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस मौके पर विभिन्न सेवा कार्यो, राष्ट्रभक्ति कार्यक्रमों, देवदर्शन व महापुरूष वंदन कार्यक्रम आदि गतिविधियों का आयोजन होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक हंसराज पटेल के जन्मदिवस 01 अगस्त से लेकर स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक आयोजित किये जा रहे सेवा पखवाडे के तहत गुरूवार को एड. सैनी के जन्मदिवस पर कार्यक्रमों की शुरूआत कस्बे के श्री लक्ष्मीनारायण देवस्थान परिसर स्थित श्री गणेश मंदिर में पूजन अर्चन के साथ होगी। जिसके बाद बानसूर रोड स्थित श्री जयसिंह गौशाला में गौ सेवा की जायेगी। इसके बाद एड. सैनी के नेतृत्व में नगर के मुख्य मार्गो से स्वागत जुलूस के साथ श्री अग्रसेन तिराहा पहुंचकर महाराजा अग्रसेन की मूर्ति पर व्यापारी बंधुओं के सानिध्य में मार्ल्यापण कार्यक्रम का आयोजन होगा। साथ ही अग्रसेन सर्किल पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान का आयोजन भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किया जायेगा। इसके उपरान्त नगर परिषद पार्क स्थित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर, पूर्व विधायक मुक्ति लाल मोदी एवं मुख्य चौराहा स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले की मूर्ति पर मार्ल्यापण कार्यक्रम का आयोजन होगा।

लड़की ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा, शांति से चलने पर भी मारा

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया। राहुल अपने साथ चार प्रदर्शनकारी छात्र और छात्राओं को मीडिया के सामने लाए। एक छात्रा ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर हमें देशद्रोही कहा गया। हम शांति से चल रहे थे तो एक पुलिस अफसर ने शरीर के ऊपरी हिस्से पर मारा। राहुल गांधी ने कहा- प्रदर्शनकारियों ने कुछ भी गलत नहीं किया। इनका लगातार शोषण हो रहा है। ये बच्चे देश के भविष्य के लिए लड़े। इन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं। लोकतंत्र के लिए ये बच्चे लड़े, इसके लिए इनका धन्यवाद।

राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस, 2 बातें; कहा- देशभर के युवाओं पर गर्व

हमने प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं से बात की। उन्होंने बताया कि उनके साथ मारपीट की गई, धमकाया गया और दबाव बनाया गया। मुझे उन पर और देशभर के हजारों युवाओं पर गर्व है। उन्होंने संविधान, भारत के विचार और देश के भविष्य की रक्षा की है। राहुल गांधी ने कहा कि पहले छात्रों के घर गुंडे भेजना, 15 साल की एक लड़की से जबरन माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना पूरी तरह बेतुका है। हम इसे स्वीकार नहीं करते। हम ऐसी शिक्षा व्यवस्था चाहते हैं जो सही तरीके से काम करे, परीक्षा पेपर लीक रुकें और देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रहे।

रिया अहीर बोलीं- मैंने पुलिस वैन रोकी, अब ट्रोल किया जा रहा

मैं वो लड़की हूं, जिसने मुंबई पुलिस को रोका था। मैं कहना चाहूंगी कि मैं वो लड़की हूं, जिसने 20 बच्चों को गैर-कानूनी हिरासत में जाने से रोका था। मेरी अपील है कि कृपया नैरेटिव को बदलें। जो भी मैंने किया, उसकी वजह से मुझे बहुत परेशान किया जा रहा है। ये ट्रोलिंग नहीं हैं, ये क्राइम है। जनता ही नहीं, पार्टी वर्कर्स भी सोशल मीडिया पर मेरे बारे में पोस्ट कर रहे हैं। मुझसे कहा जा रहा है कि 140 रुपए में अपनी बॉडी बेच रही हूं। उनके दिमाग में कितनी गंदगी भरी होगी। मैंने 27 जुलाई को शिकायत की थी। आज तक मुझे एफआईआर नहीं मिली है।

नूतन टपो बोलीं- जैसे ही मुडी, पीछे से गन फायर हुआ

झारखंड की नूतन टपो ने बताया कि पैलेट गन को मैंने अपनी आंखों से देखा था। हमारी तरफ गन पॉइंट किया हुआ था। जैसे ही मैं मुडी, पीछे से मुझे गन फायर किया गया। मुझे कान में चोट लगी।

फराह नाज बोलीं- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा

यूपी की फराह नाज ने कहा- हम जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के गुंडो ने हमें बहुत बुरी तरह से मारा। मुझे बस में बिठाया। तीन घंटे तक बिठाए रखा, फिर नाम पूछा। मैंने बताया तो कहने लगे कि ये मुस्लिम है, इनकी अलग लिस्ट बनाई जाएगी। ये देशद्रोही हैं। हम लोग तो वंदे भारत और भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। फिर भी हमें देशद्रोही बोलते हैं।

गुरु रविदास ने समानता, भाईचारे, मानवता और सामाजिक समरसता का संदेश देकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया:— भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संतों और महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का चलाया जा रहा है अभियान:— भजनलाल शर्मा

संत रविदास का प्रसिद्ध संदेश 'जाति-पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई' सामाजिक समरसता का मूल मंत्र:— लाल सिंह आर्य

संत रविदास ने जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को समान दृष्टि से देखने और कर्म को सर्वोपरि मानने का संदेश:— मदन राठौड़

संत गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में उनकी जन्मस्थली से लाए गए पावन रज कलश रथयात्रा को प्रदेश की 25 लोकसभा क्षेत्रों के लिए सीएम, भाजपा पदाधिकारियों और संतों ने किया रवाना

अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में आयोजित समरसता संकल्प अभियान का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ बुधवार को जयपुर में हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, समरसता संकल्प अभियान के राष्ट्रीय संयोजक एवं एससी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, दिया कुमारी, अभियान के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी सहित संत-महात्माओं और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने गुरु रविदास की जन्मस्थली से लाए गए पावन रज कलश रथयात्रा राजस्थान की सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों के लिए रवाना किये। अभियान के अंतर्गत ये रथ प्रत्येक लोकसभा, विधानसभा, मंडल और गांव-ढाणी तक पहुंचकर सामाजिक समरसता, समानता और संत रविदास के विचारों का संदेश देंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की संत परंपरा ने सदैव राष्ट्र और समाज को दिशा देने का कार्य किया है। संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समानता, भाईचारे, मानवता और सामाजिक समरसता का संदेश देकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संतों और महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी उद्देश्य से गुरु रविदास की पावन रज के कलश प्रदेश के 1138 मंडलों और गांवों तक पहुंचेंगे, जहां उनके जीवन और संदेश से समाज को प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति जाति-पाति से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण की भावना है। संत रविदास द्वारा प्रतिपादित बेगमपुरा की कल्पना समानता और सामाजिक न्याय पर आधारित समाज का आदर्श प्रस्तुत करती है। राजस्थान का संत रविदास से ऐतिहासिक संबंध रहा है और चित्तौड़गढ़ में विकसित किया गया पैनोरमा नई पीढ़ी को उनके विचारों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे संत रविदास के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लाल सिंह आर्य ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष में समरसता संकल्प अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई से किया गया है, जो 20 फरवरी तक पांच चरणों में संचालित होगा। अभियान के तहत गुरु रविदास की जन्मस्थली से लाई गई पावन रज के कलश राजस्थान के प्रत्येक जिले, लोकसभा, विधानसभा, मंडल और गांव-ढाणी तक पहुंचेंगे। इस दौरान समरसता संकल्प यात्राएं, संत सम्मान कार्यक्रम, छात्र संवाद और सामाजिक जागरण के विविध आयोजन किए जाएंगे, ताकि संत रविदास के समरसता, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा सके।

आर्य ने कहा कि संत रविदास ने अपने जीवन और वाणी के माध्यम से कर्मप्रधान समाज, समानता और मानवता का संदेश दिया। संत रविदास का प्रसिद्ध संदेश जाति-पाति पूछे न कोई, हरि को भजे सो हरि का होई सामाजिक समरसता का मूल मंत्र है, जो समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर एकता और सद्भाव का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा का संदेश आत्मशुद्धि, सदाचार और सेवा भाव का प्रतीक है तथा आज भी समाज को समानता, भाईचारे और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने लगभग 650 वर्ष पूर्व समाज को समरसता, समानता और कर्मप्रधान जीवन का संदेश दिया था। बचपन में विद्यालय में गुरु रविदास के दोहे पढ़ाए जाते थे, जिनसे समाज में सेवा, समर्पण और भक्ति की भावना का संस्कार मिलता था। उन्होंने संत रविदास की वाणी प्रभु जी चंदन हम पानी, प्रभु जी तुम दीपक हम बाती का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भक्ति, विनम्रता और ईश्वर के प्रति समर्पण का अद्भुत संदेश है, जो आज भी समाज को प्रेरित करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की संत परंपरा, महापुरुषों और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का व्यापक कार्य किया जा रहा है। राठौड़ ने कहा कि संत रविदास ने जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर सभी को समान दृष्टि से देखने और कर्म को सर्वोपरि मानने का संदेश दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समरसता संकल्प अभियान के माध्यम से प्रदेशभर में निकलने वाले रथ सामाजिक समरसता, सद्भाव और एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता, प्रेम और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। समरसता का वास्तविक अर्थ दूसरे के सम्मान में अपना सम्मान देखना है तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही सुशासन का उद्देश्य है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि संत रविदास के आदर्श आज भी समाज को समानता, सद्भाव और आत्मीयता के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाकर संत रविदास के सिद्धांतों को जनजीवन में उतारने का आह्वान किया। अभियान के प्रदेश संयोजक भूपेंद्र सैनी ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि यह अभियान प्रदेशभर में सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा संत रविदास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में रथ एक दिन प्रवास करेगा और स्थानीय स्तर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कैलाश मेघवाल, डॉ मिथिलेश गौतम, विधायक अनिता भदेल, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल, एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष ?निहालचंद मेघवाल मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए पदाधिकारी, मंत्री मंडल के सदस्य, समरसता कार्यक्रम के लोकसभा स्तर के प्रभारी, जिलाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेटा फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने सरकार से माफी मांगी

चाइल्ड पोर्न-डीपफेक कंटेंट पर सरकार ने नाराजगी जताई थी, 3 दिन का अल्टीमेटम दिया था

नई दिल्ली। Meta के CEO मार्क जुकरबर्ग ने भारत सरकार से चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल , डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों पर माफी मांगी है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से दी है। आज ही संसदीय समिति ने 3 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा था। साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मेटा को भारत में मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और कुछ छूट वापस लेने पर विचार किया जा सकता है। इसी मामले में आईटी मंत्रालय और मेटा के अधिकारियों के बीच दो दिन की बैठक चल रही है। सरकार ने मेटा की ग्लोबल टीम को दिल्ली बुलाया है। 5 अगस्त को बैठक का पहला दिन था। दरअसल, सरकार पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने से भी नाराज थी। मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था। बाद में मेटा ने इसे फिर से फेसबुक पर डाल दिया।

राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति, डिजिटल शिक्षा को मिला नया आयामः— मदन राठौड़

राजस्थान उच्च शिक्षा में छात्र नामांकन के मामले में देश के शीर्ष 7 राज्यों शामिल, ड्रॉपआउट दर में लगातार हो रही है गिरावटः— मदन राठौड़

राजस्थान राज्य की समग्र शिक्षा योजना के सुदृढ़ीकरण के लिए गत 3 वर्षों में सरकार ने जारी की 36188 लाख की वित्तीय स्वीकृतिः— मदन राठौड़

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुकान्त मजूमदार ने सदन को दी यह जानकारी

अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधारों के साथ राजस्थान को निरंतर सशक्त बना रही है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में 106445 विद्यालय, 1.60 करोड़ से अधिक विद्यार्थी तथा लगभग 7.93 लाख शिक्षक हैं। इनमें 28,452 विद्यालय आधुनिक स्मार्ट कक्षाओं, डिजिटल बोर्ड, स्मार्ट टीवी एवं वर्चुअल कक्षाओं जैसी सुविधाओं से सुसज्जित हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि समग्र शिक्षा योजना के अंतर्गत राज्य में अब तक 8,945 आईसीटी प्रयोगशालाएं तथा 7,698 स्मार्ट कक्षाएं स्थापित की गई हैं। वर्ष 2023-26 के दौरान डिजिटल शिक्षा अवसंरचना के लिए 36,188.50 लाख रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त भारतनेट परियोजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी माध्यमिक विद्यालयों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में शिक्षा राज्यमंत्री डॉ सुकांत मजूमदार ने सदन को यह जानकारी दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की घोषणा के बाद इसके क्रियान्वयन के लिए कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए, जिसके परिणामस्वरूप स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों में काफी सुधार हुए। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां सामने आई हैं। राजस्थान में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात 2014-15 में 20 प्रतिशत रहा जो 2023-24 में बढ़कर 29.5 प्रतिशत तक तथा इसी दौरान महिला नामांकन अनुपात 17.9 से बढ़कर 30.3 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से राजस्थान में विद्यालय छोड़ने की दर में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच प्राथमिक स्तर पर ड्रॉपआउट दर 3.7 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत, मिडिल स्तर पर 5.2 प्रतिशत से घटकर 4.6 प्रतिशत तथा माध्यमिक स्तर पर 10.9 प्रतिशत से घटकर 7.5 प्रतिशत हो गई है। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि देश में 1289 विश्वविद्यालय, 48246 कॉलेज और 15221 स्टैंड अलोन संस्थान है। इसमें से राजस्थान में 93 विश्वविद्यालय, 4,344 कॉलेज तथा 791 स्टैंड-अलोन संस्थान संचालित हैं, जिससे राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उच्च शिक्षा में देश में कुल छात्र नामांकन 4.50 करोड़ है, इससे राजस्थान उच्च शिक्षा में छात्र नामांकन के मामले में देश के शीर्ष 7 राज्यों में से एक है, जिसमें करीबन 27.37 लाख छात्र है। 4344 कॉलेजों के साथ राजस्थान में सभी राज्यों तथा संघ राज्यों क्षेत्रों में कॉलेजों की चौथी सबसे अधिक संख्या है, जो इसके व्यापक उच्च शिक्षा को दर्शाता है।

राठौड़ ने कहा कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए केंद्र सरकार विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, छात्रावास सुविधाओं तथा वित्तीय सहायता कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। राजस्थान में 31 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को स्वीकृति दी गई है तथा उच्च शिक्षण संस्थानों में 2,242 छात्रावास उपलब्ध हैं, जिनकी कुल क्षमता 2.79 लाख से अधिक विद्यार्थियों की है।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री ई-विद्या, दीक्षा, पीएम-श्री, स्वयं तथा पीएम-उषा जैसी योजनाओं के माध्यम से डिजिटल शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इन योजनाओं से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक एवं तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे ये प्रयास विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला सिद्ध होंगे तथा राजस्थान के लाखों विद्यार्थियों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल-मई 2027 में आएंगे

आरबीआई गवर्नर बोले- कम मूल्य वाले नोटों से शुरुआत होगी, ये 30 साल तक चलेंगे

नई दिल्ली। पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी RBI की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी MPC की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा- दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। भारत में कागजी नोट, विशेषकर 10, 20 और 50 के छोटे नोट, बहुत जल्द गंदे हो जाते हैं या फटने लगते हैं। गवर्नर ने कहा- पॉलीमर नोट आने से इनकी उम्र बढ़ेगी, पानी या नमी से ये खराब नहीं होंगे और बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च भी कम होगा।

सरकारी स्कूलों की बदहाली मामला : अब मूक-बधिर छात्र भी धरने पर बैठने को मजबूर, शिक्षा मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए दें इस्तीफाः संयुक्त अभिभावक संघ

जयपुर। संयुक्त अभिभावक संघ ने राजकीय सेठ आनंदीलाल पोद्दार मूक-बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर के श्रवण एवं वाणी-बाधित छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठने की घटना को प्रदेश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता बताया है। संघ ने कहा कि जब विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भी अपनी मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षित विद्यालय भवन, प्रशिक्षित शिक्षकों और शैक्षणिक अधिकारों के लिए सड़क पर उतरना पड़े, तो यह राज्य सरकार और शिक्षा विभाग के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। संघ प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि प्रदेश के सरकारी विद्यालय वर्षों से जर्जर भवनों, शिक्षकों के हजारों रिक्त पदों, संसाधनों की कमी, अव्यवस्थित व्यवस्थाओं और प्रशासनिक उदासीनता का सामना कर रहे हैं। शिक्षा विभाग लगातार नई घोषणाएं तो करता है, लेकिन धरातल पर विद्यालयों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। आज स्थिति यह है कि सामान्य विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि दिव्यांग विद्यार्थी भी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए धरना देने को विवश हैं। संयुक्त अभिभावक संघ ने कहा कि यदि सरकार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को भी सम्मानजनक और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध नहीं करा सकती, तो यह शिक्षा व्यवस्था पर सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। विद्यालय भवन की मरम्मत, कथित अवैध वसूली पर रोक, हियरिंग इम्पेयरमेंट क्षेत्र में प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है, जिसे निभाने में विभाग और मंत्रालय पूरी तरह विफल रहा है। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था आज पूरी तरह बदहाल हो चुकी है। सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं, हजारों विद्यालय जर्जर भवनों में संचालित हो रहे हैं और विद्यार्थियों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि श्रवण एवं वाणी-बाधित छात्र-छात्राओं को भी अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने के लिए धरने का सहारा लेना पड़ रहा है। यह सरकार की संवेदनहीनता और शिक्षा विभाग की प्रशासनिक विफलता का स्पष्ट प्रमाण है। अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि यदि शिक्षा मंत्री अपने विभाग की ऐसी दुर्दशा और बच्चों की पीड़ा के बावजूद जिम्मेदारी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं, तो उन्हें नैतिक आधार पर तत्काल अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जिस प्रदेश में बच्चे पढ़ाई छोड़कर अपनी मूलभूत मांगों के लिए धरना देने को मजबूर हों, वहां शिक्षा व्यवस्था पर सरकार की सफलता के दावे पूरी तरह खोखले साबित होते हैं।

संयुक्त अभिभावक संघ ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि मूक-बधिर विद्यालय के छात्रों की सभी मांगों पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की जाए, विद्यालय की जर्जर इमारत की मरम्मत कराई जाए, प्रशिक्षित शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति की जाए, कथित अवैध वसूली के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों की स्थिति का व्यापक मूल्यांकन कर शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठाए जाएं।

दीपके बोले- पॉलिटिकल पार्टी नहीं बनाएंगे

कॉकरोच जनता पार्टी प्रेशर ग्रुप की तरह काम करेगी, देश को जन-आंदोलन की जरूरत

छत्रपति संभाजीनगर। सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी फिलहाल राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी। अभी भारत को एक मजबूत प्रेशर ग्रुप की जरूरत है, इसलिए कॉकरोच पार्टी उसी भूमिका में काम करेगी। दीपके ने कहा, 'अगर हम राजनीतिक पार्टी बनाते, तो हमारा आंदोलन सफल नहीं होता। आंदोलन इसलिए सफल हुआ, क्योंकि अलग-अलग विचारधाराओं और राजनीतिक दलों के लोग लोकतंत्र को कमजोर करने वाली चीजों के खिलाफ एक साथ आए। आज भारत को किसी नई राजनीतिक पार्टी की नहीं, बल्कि एक मजबूत जन आंदोलन की जरूरत है।' महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में सीजेपी की आज से दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक से पहले मीडिया से बातचीत में दीपके ने बताया कि इसमें जंतर-मंतर आंदोलन की समीक्षा, ई20 पेट्रोल, शिक्षा व्यवस्था जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में यह भी तय किया जाएगा कि संगठन को देशभर में कैसे मजबूत किया जाए।

दीपके बोले- झारखंड के प्रदर्शन में जाएंगे, 3 बड़ी बातें

हमारे आंदोलन को सिर्फ शिक्षा के मुद्दे पर समर्थन नहीं मिला। लोगों ने इसलिए साथ दिया, क्योंकि राजनीतिक व्यवस्था, न्यायपालिका, मीडिया और चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर उनका भरोसा कम हो गया है। मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था बहुत खराब स्थिति में है और लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोगों का भरोसा वापस लाने के लिए व्यापक जन आंदोलन और जनता के दबाव की जरूरत है। सीजेपी झारखंड जाएगी और वहां आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी रहेगी। हम झारखंड के छात्रों की हर मांग का समर्थन करते हैं। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि छात्र प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर वापस कराने की मांग को लेकर सरकार से बातचीत चल रही है। घायल प्रदर्शनकारियों को कानूनी और मेडिकल मदद देने की भी तैयारी की जा रही है। सौरव ने बताया कि सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक संगठन के मेंटर बने रहेंगे और संगठन समय-समय पर उनसे सलाह लेगा।

यूपी के बिजनौर में हाईवे पर बह रही गंगा नदी

हिमाचल-उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, 300 सड़कें बंद; झारखंड में बारिश-बिजली गिरने से 14 मौतें

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश अब जानलेवा साबित हो रही है। झारखंड में मंगलवार को बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा 9 मौतें गिरिडीह, 3 दुमका और 2 लातेहार जिले में हुईं। यूपी के बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे पर बह रहा है। हाईवे की अप्रोच रोड नदी के तेज बहाव में बह गई। सड़क पर 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं, फर्रुखाबाद में बैरिकेडिंग कर हाईवे को बंद करना पड़ा। मिर्जापुर में 3 लोगों की जान चली गई। दो बच्चों की मौत गड्ढे में डूबने से हुई। एक 25 साल के युवक पर बिजली गिर गई। दूसरी ओर केरलम में 1 अगस्त से लगातार बारिश ने अब तक 25 लोगों की जान ले ली है, जबकि 4 लोग लापता हैं। लगातार बारिश और बाढ़ के कारण हजारों लोगों को घर छोड़ने पड़े हैं। केरलम सरकार के मुताबिक, 18 हजार से ज्यादा लोगों को राहत शिविरों में रखा गया है। वहीं हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। इनमें हिमाचल की 160 और उत्तराखंड की 100 से ज्यादा सड़कें शामिल हैं।

ईरान जंग में 6 तेल कंपनियों ने 81 अरब कमाए

यह भारत के रक्षा बजट से भी ज्यादा; इस दौरान कच्चा तेल 23% महंगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान जंग शुरू होने के बाद

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो दुनियाभर में महंगाई भी बढ़ गई। इस दौरान अप्रैल से जून के बीच दुनिया की 6 सबसे बड़ी तेल कंपनियों ने रिकॉर्ड 81 अरब डॉलर का मुनाफा कमाया। अल जजीरा की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मुनाफे की यह रकम करीब 7.7 लाख करोड़ रुपए होती है, जो भारत के पूरे साल के रक्षा बजट 6.81 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। जंग शुरू हुई तक कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल था। यह अप्रैल से जून के बीच 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। यानी, तेल कंपनियों ने इस दौरान करीब 23% मुनाफा कमाया। **1. यमन में भारतीय जहाज पर हमला**- यमन के पास लाल सागर में भारतीय झंडे वाले कारोबारी जहाज पर हमला हुआ है। जहाज 'एमएसवी फैजे नूर-ए-औलिया' हमले में डूब गया। सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया।

2. ईरान में विदेश मंत्री अब्बास अराघची को हटाने की तैयारी- ईरान के कुछ सांसद विदेश मंत्री अब्बास अराघची के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अमेरिका से बातचीत और संभावित समझौते ने देश के हितों को नुकसान पहुंचाया है। 3. राष्ट्रपति पजशकियान की ताकत घटी- इजराइली चैनल 14 की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा, विदेश नीति और परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मामलों में अब राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी गई है।

सरकार परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है

रिजिजू की राहुल से मुलाकात; सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास

नई दिल्ली। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल, प्रियंका सहित अन्य कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि किरेन रिजिजू ने आज परिसीमन के मुद्दे पर उनसे बात की। हम इस पर विचार करके उन्हें जवाब देंगे। कांग्रेस और विपक्ष का रुख पहले जैसा ही है। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला। उधर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास हो गया है। 3 अगस्त को इसे लोकसभा से पास किया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो जाएगी। सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक भी संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इस दौरान परिसीमन संशोधन संविधान बिल, संविधान का 131वां संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल पर चर्चा की गई थी। 18 अप्रैल को संविधान का 131वां संशोधन बिल पर वोटिंग हुई थी लेकिन सरकार बिल लोकसभा में पास नहीं करा पाई थी। इसके बाद सरकार ने बाकी दो बिल भी पेश नहीं किए थे।

रिजिजू ने परिसीमन के मुद्दे पर कांग्रेस सांसदों से बात की

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज परिसीमन के मुद्दे पर उनसे बात की। हम इस पर विचार करके बाद में उन्हें जवाब देंगे। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस और विपक्ष का रुख पहले जैसा ही है, उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले संसद सत्र में पार्टी ने जो रुख अपनाया था, वही अब भी कायम है।

एससी बोला- युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार

भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं, सरकार आक्रामक रवैये से बचे; सीजेपी प्रदर्शन में हिंसा का मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए। अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई के संसद चलो मार्च के आयोजकों यानी सीजेपी प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया। सीजेपी के समर्थकों ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की कोशिश की थी। इस दौरान पत्थरबाजी हुई। पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया था। सीजेपी के समर्थकों ने 20 जुलाई को संसद तक मार्च निकालने की कोशिश की थी। इस दौरान पत्थरबाजी हुई। पुलिस ने भी लाठीचार्ज किया था।

सुप्रीम कोर्ट बोला- युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए, 4 टिप्पणी

1. भटके युवाओं को समझाने की जरूरत: चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए।

2. पुलिस संयम रखे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा दे: सीजेआई ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभालनी चाहिए।

3. युवाओं को हिंसा की राह पर जाने से रोकना होगा: सीजेआई ने कहा कि बहुत सोच-समझकर कदम उठाने होंगे, ताकि युवा हिंसा की राह पर न जाएं। सबसे अच्छा तरीका है उन्हें समझाना और शांत करना। उनकी बात सुनिए और समझिए कि वे आखिर क्यों विरोध कर रहे हैं।

4. कानून-व्यवस्था एजेंसियों के विवेक पर छोड़ें: अंत में सीजेआई ने कहा कि ऐसे मामलों से कैसे निपटना है, यह कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर छोड़ देना चाहिए। उन्हें ऐसी परिस्थितियों से निपटने का अनुभव हमसे और आपसे ज्यादा है।

याचिकाकर्ता ने कहा- सरकार को झुकना नहीं चाहिए, 4 दलीलें

1. 15 दिन बाद भी आयोजकों पर कार्रवाई नहीं: याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा कि दिल्ली में 20 जुलाई को हुई घटना के 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आयोजकों की जवाबदेही तय नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आयोजक लगातार टीवी चैनलों पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और माहौल शांत करने की कोशिश नहीं कर रहे।

2. सरकार प्रदर्शनकारियों के आगे न झुके: वकील ने राजस्थान की हालिया कानून-व्यवस्था की घटना का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को प्रदर्शनकारियों के आगे नहीं झुकना चाहिए। उन्होंने कहा- राजस्थान में एक युवक की मौत हो चुकी है। अगर दिल्ली में सरकार झुकती है, तो यह दूसरी जगहों पर भी उदाहरण बनेगा। कल लखनऊ में कॉलेज के छात्र भी मांगों को लेकर बसों पर पत्थर फेंकेंगे, तो क्या वहां की सरकार भी झुक जाएगी?

3. पत्थरबाजी करने वालों को छोड़ना खतरनाक होगा: वकील ने कहा कि पत्थरबाजी करने वालों को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता कि सरकार दबाव में है। उन्होंने कहा- यह बहुत खतरनाक उदाहरण होगा। तीन साल पहले किसान सिंघु बॉर्डर पर थे। कल जनरेशन अल्फा, बीटा या दूसरी पीढ़ियां भी इसी तरह आंदोलन करेंगी।

4. संसद लोकतंत्र का मंदिर, जवाबदेही तय हो: वकील ने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है। अगर 500 लोग संसद परिसर में घुस जाते, तो कौन जानता है कि उनके पास देसी कट्टा या कोई हथियार नहीं होता? अगर वे गोली चला देते तो क्या होता? उन्होंने कहा कि वे किसी हाईवे या रेलवे ट्रैक पर नहीं जा रहे थे, बल्कि लोकतंत्र के मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इसलिए सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

रांची में जंतर-मंतर जैसा धरना, 7 प्रदर्शनकारी भूख हड़ताल पर

एक ने पानी तक छोड़ा था, वांगचुक की अपील पर पिया; 7 अगस्त को विधानसभा घेरेंगे

रांची। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ियों के खिलाफ जंतर-मंतर जैसा आंदोलन चल रहा है। 7 से ज्यादा प्रदर्शनकारी भूख हडताल पर हैं। इनमें छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने 2 अगस्त से अन्न-जल छोड रखा था। बुधवार को सोनम वांगचुक ने देवेंद्र से वीडियो कॉल पर बात की। उनकी अपील पर देवेंद्र ने पानी पिया, लेकिन कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा। वहीं SDM कुमार रजत और ADM धनंजय कुमार प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों से मिलने के लिए मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री की ओर से प्रदर्शनकारियों के 5 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने कहा कि मुख्यमंत्री के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ छात्रों के बीच ही होगी। प्रदर्शनकारी उम्मीदवारों ने प्रस्ताव पर विचार-विमर्श करने के लिए 2 घंटे का समय मांगा है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत कई भाजपा के विधायक जयपाल सिंह मुंडा भी स्टेडियम पहुंचे। यहां उन्होंने अनशन पर बैठे छात्रों से मुलाकात कर बातचीत की। उन्होंने कहा कि एग्जाम में भारी गडबडी हुई है। जेपीएससी ने नौकरी बेचा है। मैंने आज सर्वदलीय बैठक में भी साफ कहा है कि एग्जाम रद्द करें। हम झारखंड के युवाओं के साथ है। ये मांग पूरे झारखंड की है। छात्रों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो 7 अगस्त को झारखंड विधानसभा का घेराव करेंगे। ये प्रदर्शन रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 12 दिन से चल रहा है।

छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन

2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित ह्स्क्रशीट वायरल हुई। दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया। वहीं, रिजल्ट पर आयोग के अधिकारियों के हस्ताक्षर नहीं होने को लेकर भी सवाल उठे। विवाद बढ़ने के बाद **JPSC** ने मेंस परीक्षा रद्द कर दी।

दुष्कर्म से जुड़े मामलों की सुनवाई पर गाइडलाइन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी ने एक गाइडलाइन जारी की है। इसके मुताबिक जजों को रेप, सेक्शुअल हैरेसमेंट जैसे मामलों की सुनवाई और फैसले लिखते समय कुछ सावधानियां बरतने कहा गया है। एक्सपर्ट कमेटी के मुताबिक जजों को पीड़ित के चरित्र, कपड़ों, जीवनशैली, नैतिक धारणाओं के बजाय केवल सबूतों पर फैसला देने की सलाह दी गई है। साथ ही लज्जा भंग, प्रोसिक्यूट्रिक्स (अभियोजन पक्ष की शिकायतकर्ता), बेबस महिला, हवस, इज्जत, शर्म और पवित्रता जैसे शब्दों के इस्तेमाल से बचने को कहा गया है। NJA ने ज्यूडीशियल सेंसिटिविटी हैंडबुक तैयार की है। सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2026 में इसे मंजूरी दी और देश की सभी अदालतों को इसका पालन करने का निर्देश दिया।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- गडकरी से जुडी आपत्तिजनक पोस्ट फौरन हटाएं

मेटा और एक्स को आदेश; अदालत ने पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। साथ ही पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी। हाईकोर्ट ने इन कंपनियों से कहा, 'भविष्य में भी अगर मंत्री की ओर से ऐसा कोई कंटेंट ध्यान में लाया जाता है, तो उसे भी हटाया जाएगा। गडकरी ने 27 जुलाई को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले कथित मुनाफे से जोड़ा जा रहा है। याचिका में कहा गया, लोग उनके खिलाफ आपत्तिजनक कमेंट्स और मीम बना रहे हैं। इससे उनकी इमेज खराब हो रही है। सुनवाई के दौरान मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) और एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर) के वकील कोर्ट में मौजूद रहे।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों के लिए सिस्टम बनाना चाहिए

जस्टिस आरिफ डॉक्टर की सिंगल बेंच ने कहा, मेटा और गूगल फौरन इन पोस्ट को हटाने पर काम करे। यह भी पूछा कि क्या उनके पास ऐसा कोई सिस्टम है, जिससे बिना कोर्ट गए ऐसी पोस्ट को हटाया जा सके। प्लेटफॉर्म को ऐसी पोस्ट खुद ही हटा देनी चाहिए। जस्टिस डॉक्टर ने कहा, %आपके पास इतनी टेक्नोलॉजी है, तो क्या आपके पास कोई ऐसा सिस्टम नहीं है, जो ऐसे मामलों को पकड़ सके। अगर कोई अश्लील या अपमानजनक चीज डालता है, तो उसे तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। यह बहुत ही घटिया बात है।

अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दायर करने की अनुमति

हाईकोर्ट ने गडकरी को मेटा और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ-साथ उन अज्ञात लोगों के खिलाफ भी सिविल मुकदमा दायर करने की अनुमति दी है, जो उनके और उनके परिवार के खिलाफ गलत जानकारी फैला रहे हैं। सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं कि पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन और कई पार्ट्स को नुकसान पहुंच रहा है।

ई 20 से क्यों जोड़ा जा रहा है गडकरी का नामड

ई 20 पेट्रोल में गडकरी का नाम इसलिए जोड़ा जा रहा है, क्योंकि वह लंबे समय से देश में वैकल्पिक ऊर्जा और एथेनॉल प्रोडक्शन की बात करते आ रहे हैं। वे अपने कई बयानों में कृषि उत्पादों से बनने वाले एथेनॉल और फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों की वकालत कर चुके हैं, ताकि महंगे कच्चे तेल का आयात कम हो सके। इसी के चलते सोशल मीडिया और इंटरनेट पर कैंपेन चलाया गया, जिनमें दावा किया गया कि गडकरी और उनका परिवार एथेनॉल और श्20 नीति से हजारों करोड़ रुपए का मुनाफा कमा रहा है।

मोदी की सलाह- सोशल मीडिया इस्तेमाल में सावधानी बरतें

बीजेपी में शामिल हुए सांसदों से कहा, संसद में चिल्लाने या गुस्से में बोलने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने आवास पर बीजेपी के करीब 37 नवनिर्वाचित और अन्य दलों से आए राज्यसभा सांसदों के साथ नाश्ते पर चर्चा की। इनमें आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए नेता भी मौजूद थे। पीएम ने सांसदों को आगाह किया कि सांसद फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स (ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें लेकिन सतर्क रहें। संसदीय बहस के दौरान चिल्लाने या गुस्से में बोलने की जरूरत नहीं है। हर मुद्दे पर अपनी बात शांति से रखें।

सद में गरिमा और संयम जरूरी

संसदीय बहस के दौरान होने वाली तनातनी पर पीएम ने कहा कि सदन के अंदर की चिंता को बाहर न ले जाएं। उन्होंने कहा कि सदन का माहौल कभी-कभी तनावपूर्ण हो सकता है, लेकिन आपको इसे अपने साथ नहीं ले जाना चाहिए। पीएम ने सांसदों को सलाह दी कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सदस्यों को जानें। आपको पता होना चाहिए कि सदन में आपके साथी कौन हैं। उन्होंने सांसदों को संसद की लाइब्रेरी में हर दिन कम से कम एक या दो घंटे बिताने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

योग और समय प्रबंधन का मंत्र

जब सांसदों ने पीएम से उनके व्यस्त शेड्यूल और जिम्मेदारियों को संभालने का राज पूछा, तो उन्होंने कहा, मैं वर्तमान में जीता हूं। अभी मैं आप सभी से बात कर रहा हूं, तो मैं सिर्फ यहीं हूं। उन्होंने सांसदों को सलाह दी कि वे वर्तमान में रहें और देश के बेहतर भविष्य के लिए काम करें।

आर्टिकल 370 हटने के 7 साल, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढी

अमरनाथ यात्रा रोकी गई, बिना परमिशन रैली-धरने पर रोक; विपक्ष आज ब्लैक डे मना रहा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने के आज सात साल पूरे हो गए। इस मौके पर पूरे केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। श्रीनगर, कुलगाम, पहलगाम समेत संवेदनशील इलाकों में मल्टी लेयर सुरक्षा व्यवस्था लागू है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षाबलों के काफिलों की आवाजाही रोक दी गई है। वहीं, जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से अमरनाथ यात्रा भी एक दिन के लिए रोक दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, एहतियात के तौर पर यह फैसला लिया गया है। CRPF ने रामबन में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर सर्च ऑपरेशन चलाया, जबकि कुलगाम पुलिस ने एनएच-44 पर गाड़ियों और लोगों की आईडी की जांच तेज कर दी है। बिना परमिशन रैली और धरने पर रोक लगाई गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस, कांग्रेस और पीडीपी समेत कई राजनीतिक दल आज ब्लैक डे मना रहे हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कैंडल मार्च निकाला और लोगों से विरोध दर्ज करने की अपील की। विपक्ष आर्टिकल 370 हटाने के फैसले का विरोध करते हुए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा और पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहा है।

पिछले 5 महीने में दाल 8रुपए, तेल 6रुपए महंगा हुआ:दूध-चीनी समेत राशन की 99% चीजों के दाम बढे

त्योहारों में और बढेगी महंगाई

मुंबई। 28 फरवरी से 3 अगस्त तक, यानी पिछले 5 महीनों में आम आदमी के खाने-पीने का खर्च तेजी से बढ़ा है। 28 फरवरी वही दिन है, जब अमेरिका-ईरान-इजराइल में जंग शुरू हुई थी। उपभोक्ता मामले विभाग के प्राइस मॉनिटरिंग सिस्टम के मुताबिक इन 5 महीनों में 16 मुख्य खाद्य वस्तुओं में से 15 के दाम बढ़े हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा तेजी दालों और तेल में रही। इसके अलावा चना दाल 4.65 प्रति किलो, अरहर दाल 5.96, उड़द 5.71, चीनी 2.25, मूंग दाल 4.55 प्रति किलो और दूध 3, सरसों तेल 7.56 प्रगति लीटर महंगा हुआ। चावल के दाम 1.57 और नमक के 0.85 प्रति किलो बढ़े, जबकि आटे की कीमतों में 0.22 की मामूली बढ़ोतरी हुई है। चीनी के दाम बढ़ने के पीछे एथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ने की लगातार ऊंची मांग और चीनी उत्पादन में अपेक्षाकृत कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। वहीं, गेहूं के पर्याप्त सरकारी भंडार और बाजार में बेहतर उपलब्धता से इसके दाम दबाव में रहे, जिससे आटे की कीमत भी लगभग स्थिर बनी रही।

अगस्त से त्योहारी सीजन बढ़ाएगा दाम

विशेषज्ञों का कहना है कि दालों की कीमतों में तेजी की सबसे बड़ी वजह इस बार कमजोर और असमान मानसून है। जुलाई के अंत तक खरीफ दालों का रकबा पिछले साल से करीब 7% कम रहा, जिससे उत्पादन घटने और आयात बढ़ने की आशंका से बाजार में कीमतें चढ़ीं। अब अगस्त से शुरू हो रहे रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, नवरात्र और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान दाल और खाद्य तेलों की मांग बढ़ने की संभावना है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।